

न खता न बही जो कोटेदार कहे वही सही मनबढ़ कोटेदार के खिलाफ सप्लाई इंस्पेक्टर ने शुरु की जांच

संवाददाता

महाराजगंज रायबरेली । एक तरफ केंद्र की मोदी सरकार और राज्य की योगी सरकार लाख दावे करती है कि हम आम आदमी तक बगैर भ्रष्टाचार के राशन पूरा पहुंचा रहे हैं ।लेकिन दूसरी तरफ ग्रामीणों को राशन लेने के लिए तहसील में संघर्ष करना पड़ता है तब भी राशन नहीं मिल पाता और मिलती है तो सिर्फ गालियां। महाराजगंज विकासखंड क्षेत्र के कैर गांव के कोटेदार की मनमानी और दबंगई इस कदर हावी है की नियम और कानून ताक पर रखकर बांट के नाम पर ईंट से

तौल की जाती है और जब कोई कुछ पूछता है तो कोटेदार का पुत्र जिस दिन राशन बांटना होता है उस दिन शराब पीकर आ पंचायत के ग्रामीणों द्वारा को धमकता रहता है गाली



गलौज करते हुए लोगों को वहां से भागने की कोशिश करता है कि राशन न देना पड़े। कैर ग्राम पंचायत के ग्रामीणों द्वारा मंगलवार को तहसील परिसर

एसडीएम कार्यालय पर पहुंचकर ग्रामीण अखिलेश राजेश्वरी नीलम कुसुम देवकली रामकली सुरेश कुमार प्रेम कुमारी पुष्पा कन्हैया राजकली प्रेमचंद श्याम

कुमारी रामदेव सुधीर कुमार करन देवानंद राजेश सहित अन्य ग्रामीणों ने तहसीलदार को राशन न मिलने के संबंध में ज्ञापन भी दिया गया वहीं बुधवार को

विधान परिषद द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 को लेकर मतदेय स्थलों के संशोधन प्रस्ताव पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक सम्पन्न

रायबरेली। जिलाधिकारी/सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी लखनऊ खण्ड स्नातक/शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों तथा संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में उत्तर प्रदेश विधान परिषद द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 के दृष्टिगत मतदेय स्थलों के संशोधन प्रस्ताव के संबंध में विचार-विमर्श किया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि उत्तर

प्रदेश विधान परिषद के खण्ड स्नातक के 05 तथा खण्ड शिक्षक के 06 निर्वाचन क्षेत्रों से निर्वाचित सदस्यों का कार्यकाल 06 दिसम्बर 2026 को समाप्त होने के कारण रिक्त होने वाली सीटों को भरने के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। निर्धारित निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार 29 सितम्बर 2026 को निर्वाचन की अधिसूचना जारी की जाएगी। नाम निर्देशन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 06 अक्टूबर 2026, नाम निर्देशनों की

सप्लाई इंस्पेक्टर द्वारा जांच करने की बात भी कही गई। बुधवार को पत्रकार द्वारा जब कवरेज की जा रही थी तो ईंट का बांट बनाकर राशन की तौल की जा रही थी जिस पर वीडियो बनाने के वक्त कोटेदार का पुत्र राजकुमार शराब पीकर आया और कहने लगा कि क्या कर रहे हैं आप आप लोगों के लिए 376 की धारा बनी हुई है और पत्रकारों से बदतमीजी करने लगा वहीं मौजूद ग्रामीणों ने बताया कि कोटेदार के पुत्र द्वारा जिस दिन राशन बांटना होता है उस दिन जमकर बवाल काटा जाता है कि लोग यहां से चले जाएं और राशन न लें कई बार इसकी शिकायत भी की गई लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है कल तहसील में ज्ञापन दिया गया कि लोगों को राशन कम दिया जाता है कुछ लोगों को दिया ही नहीं जाता केवल कुछ ही लोगों

को राशन दिया जाता है कोटेदार मनबढ़ है। सरकार की तरफ से जब हम सभी के लिए राशन आता है तो आखिर कोटेदार राशन क्यों हजम कर लेता है ग्रामीणों ने बताया कि जुलाई माह का तो पूरा राशन ही कोटेदार का गया तथा 5 किलो की जगह पर जब घर पर तौलों तो 4 किलो ही निकलता है लगातार भ्रष्टाचार कोटेदार द्वारा किया जा रहा है और इस पर कार्रवाई नहीं हो रही है।वहीं कोटेदार के पुत्र की अभद्रता की बात जब एसडीएम आयुष अग्रवाल से की गई तो उन्होंने सप्लाई इंस्पेक्टर को फोन मिलाते हुए जांच के आदेश दिए और कहा की रिपोर्ट जल्द से जल्द मुझे दी जाए सप्लाई इंस्पेक्टर मुकेश पांडे द्वारा आज दोपहर बाद कैर गांव पहुंच कर कार्ड धारकों से पूछताछ की और कोटेदार के खिलाफ जांच शुरू कर दी।

विधान परिषद द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 को लेकर मतदेय स्थलों के संशोधन प्रस्ताव पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक सम्पन्न

रायबरेली। जिलाधिकारी/सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी लखनऊ खण्ड स्नातक/शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों तथा संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में उत्तर प्रदेश विधान परिषद द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 के दृष्टिगत मतदेय स्थलों के संशोधन प्रस्ताव के संबंध में विचार-विमर्श किया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि उत्तर

संवीक्षा 07 अक्टूबर 2026 तथा नाम वापसी की अंतिम तिथि 09 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है। 23 अक्टूबर 2026 को प्रातः 08 बजे से अपराह्न 04 बजे तक मतदान कराया जाएगा, जबकि 27 अक्टूबर 2026 को मतगणना होगी। निर्वाचन की संपूर्ण प्रक्रिया 31 अक्टूबर 2026 तक पूर्ण करा ली जाएगी। जिलाधिकारी ने बताया कि विधान परिषद द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 के संबंध में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित प्राविधानों के अनुसार आदर्श आचार संहिता के सुसंगत

उपबंध प्रभावी हो गए हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्वाचन से जुड़े सभी कार्यों को भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों एवं निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी/अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, समस्त उप जिलाधिकारी, प्रभारी सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी फिरोज अहमद सहित मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

निराश्रित महिला (विधवा) पेंशन योजना के लिए विशेष अभियान, पात्र महिलाएं करें ऑनलाइन आवेदन

रायबरेली। जिला प्रोबेशन अधिकारी शक्ति त्रिपाठी ने बताया है कि जनपद में निराश्रित महिला (विधवा) पेंशन योजना के अंतर्गत पात्र महिलाओं को लाभान्वित करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर एवं असहाय विधवा महिलाओं को प्रतिमाह वित्तीय सहायता प्रदान कर उन्हें सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि योजना के लिए आवेदिका की न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी चाहिए तथा अधिकतम आयु की कोई सीमा निर्धारित नहीं है। आवेदिका के पति की मृत्यु हो चुकी हो और पति का मृत्यु प्रमाण-पत्र उपलब्ध होना आवश्यक है। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में आवेदिका के परिवार की समस्त स्रोतों से वार्षिक आय ₹2,00,000 से अधिक नहीं होनी चाहिए।

उद्यान मंत्री ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में वर वधु को दिया आशीर्वाद



रायबरेली। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत विकास खण्ड सत्तांव के गन्ना कांटा मैदान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, इस भव्य आयोजन का शुभारंभ मा0

राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार तथा कृषि निर्यात उ0प्र0 दिनेश प्रताप सिंह, जिलाध्यक्ष भाजपा बुद्धि लाल पासी व मुख्य विकास अधिकारी

अंजुलता द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में कुल 214 जोड़ों ने वैदिक विधि विधान से विवाह-सूत्र में बंधकर अपने जीवन की नई शुरुआत की। विवाह कार्यक्रम में हरचंदपुर 63, सत्तांव 58, खीरो 18, लालगंज 16, सेरनी 10, डीह 22, राही 20 एवं न0प0 सलेन 7 जोड़े शामिल हैं। कार्यक्रम में मा0 उद्यान मंत्री ने आयोजित इस पावन एवं गरिमामयी कार्यक्रम में नवविवाहित दम्पतियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आज का दिन आप सभी के जीवन में नई खुशियों, नई आशाओं और नए संकल्पों का शुभारंभ है।

मा0 उद्यान मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का उद्देश्य समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को विवाह संबंधी सहयोग उपलब्ध कराना है, जिसके अंतर्गत शासन की ओर से प्रत्येक जोड़े को कुल एक लाख की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों के विवाह को सम्मानपूर्वक सम्पन्न कराने का कार्य किया जा रहा है।

हमारी सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबके सम्मान की भावना के साथ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना इसी संवेदनशील सोच का महत्वपूर्ण उदाहरण है।

हमारी सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबके सम्मान की भावना के साथ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना इसी संवेदनशील सोच का महत्वपूर्ण उदाहरण है।

डीएम ने किया वीएचएसएनडी सत्र का निरीक्षण, टीकाकरण एवं गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच का लिया जायजा



टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए। टीकाकरण से छूटे बच्चों को चिह्नित कर उन्हें आगामी सत्रों में टीकाकरण से आच्छादित किया जाए। इसके लिए आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से अभिभावकों को जागरूक किया जाए। जिलाधिकारी ने गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच की स्थिति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी पंजीकृत गर्भवती महिलाओं की निर्धारित समयावधि में नियमित एवं गुणवत्तापूर्ण एएनसी सुनिश्चित की जाए। जांच के दौरान होमोग्लोबिन, रक्तचाप, वजन एवं अन्य आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण किए जाएं। उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं को चिह्नित कर उनकी विशेष निगरानी की जाए तथा आवश्यकतानुसार उच्च स्वास्थ्य इकाइयों पर संवर्धित किया जाए। इस दौरान जिलाधिकारी ने एएनएम के ई-कवच पोर्टल का भी अवलोकन किया। उन्होंने पोर्टल पर गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य संबंधी विवरण, टीकाकरण तथा एएनसी की जानकारी नियमित रूप से अद्यतन किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित आंकड़ों की समयबद्ध एवं सही प्रविष्टि सुनिश्चित की जाए, जिससे लाभार्थियों की प्रभावी निगरानी की जा सके। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि आशा, एएनएम एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता आपसी समन्वय से कार्य करते हुए प्रत्येक पात्र लाभार्थी तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करें। विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं एवं नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य पर ध्यान दिया जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित टीकाकरण, संस्थागत प्रसव, संतुलित पोषण एवं मातृ-शिशु स्वास्थ्य के प्रति व्यापक जागरूकता बढ़ाई जाए। उन्होंने कहा कि वीएचएसएनडी सत्रों का उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर ही महिलाओं एवं बच्चों को आवश्यक स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाएं प्रदान करने की सही संवर्धित स्वास्थ्य समी यह सुनिश्चित करें कि कोई भी पात्र बच्चा टीकाकरण तथा कोई भी गर्भवती महिला आवश्यक स्वास्थ्य जांच से वंचित न रहे। निरीक्षण के दौरान एमओआईसी सुजीत पांडे व अन्य संबंधित अधिकारी एवं स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे।

वैलडिंग का काम करते समय युवक की अचानक बिगड़ी हालत, मौत

डलमऊ रायबरेली। कस्बे में वैलडिंग का काम कर रहे एक युवक की अचानक हालत बिगड़ गई। साथियों द्वारा उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डलमऊ पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंची डलमऊ पुलिस ने पंचनामा की कार्रवाई के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।डलमऊ कस्बे के मोहल्ले शेखवाड़ा निवासी शिबू उर्फ आमीन पुत्र लड्डुन वैलडिंग का काम करता था। मृतक के छोटे भाई सैफी ने बताया कि बुधवार को मुगई बाग कस्बे में वैलडिंग का काम करते समय अचानक शिबू उर्फ आमीन की हालत बिगड़ने लगी। हालत बिगड़ता देख सत्र में काम कर रहे सहयोगियों ने उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डलमऊ पहुंचाया, जहां मौजूद चिकित्सक डॉ. संजीव कुमार राय ने उसे मृत घोषित कर दिया।परिजनों द्वारा पोस्टमार्टम न कराने के संबंध में लिखित सूचना दिए जाने के बाद मौके पर पहुंची डलमऊ पुलिस ने पंचनामा की कार्रवाई पूरी कर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। क्षेत्राधिकारी गिरजा शंकर त्रिपाठी ने बताया कि परिजनों द्वारा पोस्टमार्टम न कराने की लिखित सूचना दी गई थी। इसके आधार पर पंचनामा की कार्रवाई करते हुए शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

धान की फसल में पत्ती लपेटक एवं तना छेदक कीट से बचाव हेतु किसानों को सलाह

रायबरेली। जिला कृषि रक्षा अधिकारी अखिलेश पाण्डेय ने बताया है कि जनपद में धान खरीफ मौसम की प्रमुख फसल है तथा बड़े क्षेत्रफल में इसकी खेती की जाती है। वर्तमान में जनपद के कुछ क्षेत्रों में धान की फसल में पत्ती लपेटक एवं तना छेदक कीट का प्रकोप दिखाई दे रहा है। समय से नियंत्रण न किए जाने पर इन कीटों से फसल की पत्तियां एवं तनों को नुकसान पहुंचने के साथ उत्पादन में कमी हो सकती है। पत्ती लपेटक कीट के लक्षण-छोटी सुंडी धान की पत्ती को किनारे से मोड़कर अथवा लपेटकर उसके अंदर रहती है और पत्ती की हरी सतह को खुरचकर खाती है। प्रभावित पत्तियों पर सफेद अथवा पारदर्शी धारियां दिखाई देती हैं तथा पत्तियां लंबाई में मुड़ी हुई या नाली नुमा हो जाती हैं। अधिक प्रकोप होने पर पौधे की हरी पत्तियों का क्षेत्रफल कम होने से प्रकाश संश्लेषण प्रभावित होता है। तना छेदक कीट के लक्षण-तना छेदक की सुंडी पौधे के तने में प्रवेश कर अंदरूनी भाग को खाती है। प्रारंभिक अवस्था में पौधे की बीच की पत्ती सूखकर पीली पड़ जाती है, जिसे ‘डेड हार्ट’ (मृत गोभ) कहा जाता है। बालियां निहलने के समय प्रकोप होने पर बालियां सूख कर सफेद दिखाई देती हैं और उनमें दांने नहीं बनते। इस अवस्था को ‘व्हाइट ईयर’ (सफेद बाली) कहा जाता है।

मुकेश शुक्ला बने उत्तर प्रदेश वॉलीबाल टीम के चयनकर्ता.



प्रयागराज । खेल जगत एवं शिक्षा विभाग में प्रयागराज के मेजा के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। मुकेश शुक्ला को इस वर्ष पुनः उत्तर प्रदेश विद्यालयीय वॉलीबाल टीम का सेलेक्टर / चयनकर्ता नियुक्त किया गया है। उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य विद्यालयीय खेल संस्थान द्वारा जारी निर्गत पत्र के अनुसार प्रयागराज जिले

के पूर्व वॉलीबाल खिलाड़ी एवं बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत मुकेश शुक्ला को अब प्रयागराज शहर के सी.ए.बी. इंटर कॉलेज में आज दिनांक 24 से 27 सितंबर 2026 तक आयोजित होने वाली (अंश - 14, 17 व 19) ÷ 70वीं उत्तर प्रदेश (बालक/बालिका) अंतर मंडलीय स्टेट वॉलीबाल चैम्पियनशिप-2026 ÷ के दौरान एक कुशल चयनकर्ता की भूमिका में होंगे और खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर उत्तर प्रदेश की वॉलीबाल टीम का चयन करेंगे। मुकेश शुक्ला द्वारा चयनित किये गए खिलाड़ी इस वर्ष होने वाली ÷ राष्ट्रीय स्कूल वॉलीबाल प्रतियोगिता ÷ में उत्तर प्रदेश की वॉलीबाल टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। मुकेश शुक्ला ने उत्तर प्रदेश वॉलीबाल टीम का चयनकर्ता बनाये जाने के पश्चात संबंधित अधिकारियों का आभार व्यक्त किया है। मुकेश शुक्ला को चयनकर्ता नियुक्त किये जाने पर खंड शिक्षा अधिकारी वरुण मिश्रा, खंड शिक्षा अधिकारी कैलाश सिंह, जिला एमडीएम प्रभारी राजीव त्रिपाठी, प्रारंभिक शिक्षक संघ के जिला कोषाध्यक्ष मनीष तिवारी, जूनियर शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष विनोद मिश्रा, शिक्षक नेता विनोद शुक्ला, शिक्षा विभाग के जिला क्रीड़ा सचिव बृजेश श्रीवास्तव, एआरपी रामानंद शुक्ला, अजीत मिश्रा, जगदीश मिश्रा व प्रमोद शुक्ला तथा रोहित त्रिपाठी, अनिकेत जायसवाल, कृष्ण कुमार शुक्ला व वीरेंद्र गौड़ आदि लोगों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।।

सहकारी गन्ना विकास समिति की सामान्य निकाय बैठक संपन्न, किसानों की समस्याओं पर हुई चर्चा

तुलसीपुर बलरामपुर ।। जनपद बलरामपुर में सहकारी गन्ना विकास समिति तुलसीपुर के तत्वावधान में बुधवार को नगर के एमडीएस सभागार में सामान्य निकाय साधारण सभा की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति की अध्यक्ष नीलम सिंह ने की। जानकारी के अनुसार 23 सितंबर को आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्रभर से आए सैकड़ों किसानों ने सहभागिता निभाई और अपनी समस्याओं को प्रमुखता से रखा, जिस पर विस्तार से चर्चा करते हुए त्वरित निस्तारण का आश्वासन दिया गया। क्षेत्र में हाल के दिनों में गन्ने की बुवाई में आई कमी पर चिंता जताते हुए भाजपा पूर्व जिला अध्यक्ष एवं अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रदीप सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार कृषि को आधुनिक और सुलभ बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि चीनी मिल के सहयोग से समिति में कीटनाशक छिड़काव के लिए ड्रोन तकनीक और मिट्टी जांच की अत्याधुनिक मशीनें निशुल्क उपलब्ध कराई गई हैं, जिनका उपयोग कर किसान लागत घटाने के साथ अपनी उाज कई गुना बढ़ा सकते हैं। इसके अलावा जिन किसानों के पास खुद का ट्रैक्टर नहीं है, उनके लिए बहुत ही कम किराए पर ड्राइवर सहित ट्रैक्टर उपलब्ध कराने की विशेष व्यवस्था की गई है, ताकि छोटे किसानों को खेती में बाधा न आए। बैठक में तुलसीपुर क्षेत्र के विभिन्न गन्ना ऋय केंद्रों की स्थिति को मजबूत और सुव्यवस्थित करने पर भी गंभीर मंथन किया गया। मंच का संचालन अखिलेश कुमार पांडे ने की। इस अवसर पर चीनी मिल तुलसीपुर की जीएम आशीष प्रताप सिंह, आनंद प्रताप सिंह अन्नू, मनराज सिंह, विश्राम सिंह, बृज गोपाल पांडे, विष्णु देव गुप्ता, आम चंद्रशेखर सिंह, मोहम्मद अकबाल खान, संजय सिंह,संजीव श्रीवास्तव, राकेश चौधरी सहित समिति के डायरेक्टर राजेंद्र प्रसाद शुक्ला उपाध्यक्ष, रोहित तिवारी, दीपक कुमार, माधवराव चौधरी, ज्योत्सेश्वर, हनुमान, राजकुमार, कर्नज फातिमा , मीरा सिंह, मंसाराम, उदयभान यादव और भारी संख्या में क्षेत्रीय किसान मौजूद रहे।



घरेलू ओवरनाइट ट्रेवल में यूपी सबसे आगे : 15.7 फीसदी हिस्सेदारी के साथ तमिलनाडु और राजस्थान से निकला आगे

संवाददाता

लखनऊ। यूपी में पर्यटन अब अयोध्या-काशी-प्रयागराज से गांवों तक पहुंचा चुका है। प्रदेश में पर्यटन की तस्वीर बदल चुकी है। 15.7 फीसदी हिस्सेदारी के साथ प्रदेश तमिलनाडु और राजस्थान से आगे निकल गया है। उत्तर प्रदेश ने घरेलू पर्यटन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के घरेलू पर्यटन व्यय सर्वेक्षण में यूपी ने घरेलू ओवरनाइट ट्रेवल की दोनों प्रमुख श्रेणियों में देश में सबसे अधिक हिस्सेदारी दर्ज की है। तीर्थ यात्रा के लिए पहले से मजबूत पहचान रखने वाला उत्तर प्रदेश अब विगतस, ग्रामीण पर्यटन, प्रकृति, स्थानीय खानपान और सांस्कृतिक अनुभवों को भी पर्यटन की नई ताकत के रूप में विकसित कर रहा है। सर्वे के



की हिस्सेदारी 15.7 फीसदी रही, जो तमिलनाडु के 13.4 और राजस्थान के 8 फीसदी से अधिक है। वहीं कारोबार, सामाजिक यात्रा, शिक्षा-प्रशिक्षण और अन्य उद्देश्यों वाली पिछले 30 दिनों की रात्रि यात्राओं में भी यूपी 15.5 फीसदी हिस्सेदारी के साथ पहले स्थान पर रहा। इस

श्रेणी में बिहार 10.5 और तमिलनाडु 9.6 फीसदी के साथ पीछे रहे। सर्वे में दर्ज दोनों आंकड़े राज्य के भीतर और दूसरे राज्यों से खरीदारी जैसी यात्राएं शामिल थीं, जबकि 30 दिन वाली श्रेणी में कारोबार, सामाजिक मेलजोल, शिक्षा, प्रशिक्षण और अन्य उद्देश्यों से की गई यात्राओं को देखा गया। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में बेहतर कानून-व्यवस्था, तेजी से बढ़ते एक्सप्रेसवे और हवाई अड्डों के नेटवर्क तथा मजबूत रेल कनेक्टिविटी से उत्तर प्रदेश की यात्रा अब और आसान हुई है। इससे पर्यटकों का भरोसा भी मजबूत हुआ है। उन्होंने बताया प्रदेश सरकार का प्रयास है कि बेहतर कनेक्टिविटी को ऐसे पर्यटन अनुभवों से जोड़ जाए, जिससे देश-विदेश से आने वाले पर्यटक उत्तर प्रदेश के अधिक से अधिक हिस्सों को जानने और देखने के लिए प्रेरित हों। पर्यटन नीति-2022 के तहत प्रदेश में 12 थीमैटिक

सर्किट के जरिए अलग-अलग पर्यटन स्थलों को जोड़ने का काम किया जा रहा है। अयोध्या, वाराणसी और प्रयागराज को जोड़ने वाला स्मि्रचुअल ट्रयंगल इसका प्रमुख उदाहरण है। इसके साथ ही बाबा नौब करौरी सर्किट जैसे नए मार्गों के जरिए फिरोजाबाद, फर्रुखाबाद, लखनऊ और वृंदावन जैसे स्थलों को भी एक पर्यटन अनुभव से जोड़ने की कोशिश की जा रही है। विन्ध्य धाम, चित्रकूट, नैमिषारण्य, देवीपाटन और मां शाकुभरी देवी जैसे क्षेत्रों में सर्मापित तीर्थ विकास परियदों के माध्यम से योजनाबद्ध विकास को आगे बढ़या जा रहा है। विभाग के अनुसार वर्ष 2017 से अब तक प्रदेश में 3,000 से अधिक पर्यटन परियोजनाएं करीब 10,000 करोड़ रुपये की लागत से शुरू की गई हैं। पर्यटन को विस्तार अब बड़े धार्मिक शहरों से आगे छोटे शहरों और अन्य गंतव्यों तक भी

फिखाई दे रहा है। विभागीय फुटफॉल आंकड़ों के अनुसार चित्रकूट में पर्यटकों की संख्या 2024 में 1.18 करोड़ से बढ़कर 2025 में 3.65 करोड़ हो गई। इसी अवधि में मिर्जापुर में पर्यटकों की संख्या 1.41 करोड़ से बढ़कर 2.10 करोड़ दर्ज की गई। इन आंकड़ों के साथ प्रदेश में ऐसे स्थलों को भी पर्यटन मानचित्र पर प्रमुखता देने की कोशिश हो रही है, जहां धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व के साथ स्थानीय संस्कृति और प्राकृतिक आकर्षण मौजूद है। ग्रामीण पर्यटन को भी इस विस्तार का अहम हिस्सा बनाया जा रहा है। प्रदेश के 230 से अधिक चयनित गांवों में ग्रामीण पर्यटन की पहल के तहत होमस्टे, स्थानीय खानपान और पारंपरिक हस्तशिल्प को पर्यटकों के अनुभव से जोड़ा जा रहा है। वहीं इको टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड के

द्विखाई दे रहा है। विभागीय फुटफॉल आंकड़ों के अनुसार चित्रकूट में पर्यटकों की संख्या 2024 में 1.18 करोड़ से बढ़कर 2025 में 3.65 करोड़ हो गई। इसी अवधि में मिर्जापुर में पर्यटकों की संख्या 1.41 करोड़ से बढ़कर 2.10 करोड़ दर्ज की गई। इन आंकड़ों के साथ प्रदेश में ऐसे स्थलों को भी पर्यटन मानचित्र पर प्रमुखता देने की कोशिश हो रही है, जहां धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व के साथ स्थानीय संस्कृति और प्राकृतिक आकर्षण मौजूद है। ग्रामीण पर्यटन को भी इस विस्तार का अहम हिस्सा बनाया जा रहा है। प्रदेश के 230 से अधिक चयनित गांवों में ग्रामीण पर्यटन की पहल के तहत होमस्टे, स्थानीय खानपान और पारंपरिक हस्तशिल्प को पर्यटकों के अनुभव से जोड़ा जा रहा है। वहीं इको टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड के

चोला बदलकर जनता को टग रहे अखिलेश, 2027 में नहीं गलेगी दाल – भाजपा



लखनऊ । समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव की पीडीए रथ यात्रा और उत्तर प्रदेश में पोस्टर को लेकर सियासत तेज हो गई है। रायबरेली में %सपा% नेताओं ने रथ यात्रा से पहले जगह-जगह पोस्टर और होर्डिंग लगाए हैं, जिसमें अखिलेश यादव को भगवान राम और कृष्ण के रूप में दिखाया गया है। इस पर उत्तर प्रदेश के मंत्री अनिल राजभर ने निशाना साधा। उन्होंने आईएमएस से कहा, =सपा को उत्तर प्रदेश की जनता को स्पष्ट करना चाहिए कि वे पीडीए के तौर पर किसे बता रहे हैं। आज तक समाजवादी पार्टी पीडीए को परिभाषित नहीं कर पाई है। जहां तक हम समझ रहे हैं, वे चोला बदलकर जनता को ठगने जा रहे हैं। हालांकि जनता उनको बहुत अच्छी तरीके से जानती और पहचानती है। 2027 के विधानसभा चुनाव में उनकी दाल नहीं गलने वाली है।= सपा प्रमुख अखिलेश यादव की पीडीए रथ यात्रा पर मंत्री अनिल राजभर ने कहा, =इसका कोई महत्व नहीं है। वे बस समय बिता रहे हैं। चुनाव नजदीक है, इसलिए उन्हें कुछ तो करना ही है। उन्हें पता है कि समाजवादी पार्टी का क्या हस्त्र होने वाला है लेकिन वे बस समय काटने के लिए ऐसा कर रहे हैं।= भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने अखिलेश यादव के पोस्टरों पर टिप्पणी करते हुए कहा, =जिन लोगों ने प्रभु श्रीराम के अस्तित्व पर सवाल उठाए, आज उनके पोस्टर लगाकर राम के अवतार बताए जा रहे हैं, मैं समझता हूं कि इससे भी शर्मनाक बात किसी भी राजनीतिक दल के लिए नहीं हो सकती। अखिलेश यादव की तुलना राम और हनुमान से करना बिल्कुल गलत है।= भाजपा के पूर्व राज्यसभा सांसद अशोक वाजपेयी ने भी रायबरेली में पीडीए यात्रा से पहले अखिलेश यादव को भगवान कृष्ण, भगवान राम और हनुमान का आशीर्वाद लेते हुए दिखाने वाले पोस्टरों पर प्रतिक्रिया दी। अशोक वाजपेयी ने कहा, =जिस तरीके से पीडीए अपना रंग बदल रहा है, ठीक वैसे ही वे अपने रंग बदल रहे हैं। पोस्टर लगाने वाली बात सिर्फ दिखावा है। यूपी की जनता सब जानती है। प्रदेश की जनता जानती है कि पीडीए के नाम पर किस तरह से भ्रम फैलाने का काम किया जा रहा है। केवल पोस्टर पर तस्वीर छाप देने से कोई राम और कृष्ण नहीं बन सकता है, श्रद्धा भी होनी चाहिए। यूपी में योगी के नेतृत्व में फिर से भाजपा की सरकार बनने जा रही है।= बता दें कि रायबरेली में अखिलेश यादव की पीडीए रथ यात्रा से पहले लगाए गए इन पोस्टरों को लेकर अब सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है।

विनीत मिनोचा हत्याकांड : बहु नहीं, बेटे ने रची पिता की हत्या की साजिश, छह लाख रुपए की दी थी सुपारी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की कानपुर पुलिस ने दवा व्यापारी विनीत मिनोचा हत्याकांड में बड़ा खुलासा करते हुए उनके बेटे सुब्रत मिनोचा को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, सुब्रत ने ही अपने पिता की हत्या की साजिश रची थी। जांच में सामने आया कि उसे डर था कि पिता दूसरी शादी कर सकते हैं। इसके अलावा, पिता के कथित निजी जीवन को लेकर भी वह नाराज था। इसी के चलते उसने पिता की हत्या कराने की योजना बनाई। पुलिस के अनुसार, 5 सितंबर को नौकर विशाल और उसके साथी राजकिशोर ने सुब्रत के कहने पर विनीत मिनोचा की चाकू से गोदकर हत्या की थी। घटना के बाद हत्यारों की तस्वीरें पड़ोसी के सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई थीं। वहीं, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में व्यापारी के शरीर पर चाकू के 17 घाव मिले थे। पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल के मुताबिक, मामले की जांच के दौरान पुलिस ने रिमांड पर बहू शालू, नौकर विशाल और राजकिशोर से कई दौर में पूछताछ की। पूछताछ के दौरान सुब्रत का नाम सामने आया। इसके बाद पुलिस ने सुब्रत को गिरफ्तार कर लिया। जांच में यह भी सामने आया कि विशाल वर्ष 2012 से 2022 तक विनीत के मेडिकल स्टोर पर काम करता था। चोरी के आरोप में उसे नौकरी से निकाल दिया गया था। पुलिस के मुताबिक, बाद में विशाल ने सुब्रत के साथ मिलकर उसके पिता के मेडिकल स्टोर से चोरी करने में भी मदद की। पुलिस का दावा है कि सुब्रत पर करीब 40 लाख रुपए का कर्ज था और पिता की ओर से उसे 40 हजार रुपए प्रति माह वेतन दिया जाता था। कर्ज चुकाने के लिए वह पिता के मेडिकल स्टोर से चोरी करता था। इसी दौरान उसने पिता की हत्या की साजिश रची। पुलिस के मुताबिक, सुब्रत ने पिता की हत्या के लिए छह लाख रुपए की सुपारी तय की थी और आरोपियों को दो लाख रुपए एडवांस में दिए थे। उसने आरोपियों से यह भी कहा था कि अगर वे पकड़े जाएं, तो हत्या के मामले में उसकी पत्नी शालू का नाम लें। रिमांड के दौरान पूछताछ में बहू शालू ने पुलिस से कथित तौर पर कहा कि उसके पति सुब्रत को छोड़ दिया जाए और उसे जेल भेज दिया जाए। पुलिस अब हत्या की पूरी साजिश, पैसेों के लेनदेन और इसमें शामिल अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है।



टोल के खेल में कई बड़े भी शामिल, फर्जी फास्टैग पर लगे सैकड़ों चक्कर, एसटीएफ के कब्जे में सर्वर–दस्तावेज

संवाददाता

लखनऊ । यूपी में टोल के खेल में कई बड़े नाम भी शामिल हैं। 142 वाहनों ने फर्जी फास्टैग पर सैकड़ों चक्कर लगाए। एसटीएफ ने लखनऊ के इटौंजा टोल प्लाजा पर छापे के बाद डीवीआर, सर्वर और दस्तावेज कब्जे में लिए थे फर्जी वाहन नंबर और कूटरचिंत दस्तावेजों के आधार पर फास्टैग बनवाकर टोल राजस्व को करोड़ों रुपये की चपत लगाने के मामले में जांच का दायरा बढ़ गया है। एसटीएफ की जांच में अब तक 142 वाहन चिह्नित किए गए हैं, जो फर्जीवाड़े के जरिये इटौंजा टोल प्लाजा से सैकड़ों बार गुजरे। मामले में कुछ टोलकर्मियों और अधिकारियों की भूमिका भी संदिग्ध मानी जा रही है। आरटीओ ने तीन अप्रैल 2026 को सरोजनीनगर थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। बाद में मामले की



विवेचना एसटीएफ को सौंप दी गई। एसटीएफ ने तीन दिन पहले चालक की ओर से अपेक्षित सहयोग नहीं मिला। करीब छह महीने तक डाटा उपलब्ध न कारए जाने के बाद एसटीएफ ने कोर्ट की अनुमति से मंगलवार को टोल प्लाजा पर छापा मारकर डीवीआर, सर्वर और अन्य दस्तावेज कब्जे में लिए। सूत्रों के मुताबिक, जांच में कुछ ऐसे साक्ष्य मिले हैं, जिनसे टोल एजेंसी के

और अन्य डाटा मांगा था, लेकिन लखनऊ–सीतापुर एक्सप्रेसवे ग्रांलि की ओर से अपेक्षित सहयोग नहीं मिला। करीब छह महीने तक डाटा उपलब्ध न कारए जाने के बाद एसटीएफ ने कोर्ट की अनुमति से मंगलवार को टोल प्लाजा पर छापा मारकर डीवीआर, सर्वर और अन्य दस्तावेज कब्जे में लिए। सूत्रों के मुताबिक, जांच में कुछ ऐसे साक्ष्य मिले हैं, जिनसे टोल एजेंसी के

हाई कोर्ट लखनऊ खंडपीठ का फैसला, प्लैट का कब्जा मिलने के बाद भी बिल्डर से देरी का ब्याज मांग सकता है



लखनऊ। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने प्लैट के खरीददार के पक्ष में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि बिल्डर के प्लैट का कब्जा दे देने के बाद भी खरीदार को कब्जा देने में हुई देरी के लिए ब्याज मांगने का वैधानिक

अधिकार समाप्त नहीं होता। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार ने यह आदेश नोएडा स्थित अंतरिक्ष गैल्फ व्यू परियोजना से जुड़े रेरा अपील मामले में अंतरिक्ष डेवलपर्स एंड प्रमोटर्स प्राइवेट लिमिटेड की अपील खारिज करते हुए दिया। हाई कोर्ट ने कहा कि रेरा के तहत देरी

के लिए ब्याज का दावा करने के लिए कोई निश्चित समय सीमा निर्धारित नहीं है। खरीदार किसी भी परियोजना में बने रहने की स्थिति में भी वह कब्जा मिलने तक प्रत्येक माह की देरी के लिए ब्याज का हकदार है। कोर्ट में दाखिल याचिका में खरीदार श्याम सुंदर अग्रवाल ने वर्ष 2010 में सेक्टर-78, नोएडा की परियोजना में प्लैट बुक कराया था। समझौते के अनुसार नवंबर 2012 तक कब्जा दिया जाना था। बिल्डर ने मई 2017 में कब्जे की पेशकश की, वह भी बिना अधिभोग प्रमाणपत्र और अन्य जरूरी दस्तावेजों के। रेरा अपीलीय न्यायाधिकरण ने खरीदार को दिसंबर 2012 से मई 2017 तक जमा राशि पर एमसीएलआर से एक प्रतिशत अधिक की दर से विलंब ब्याज देने का निर्देश दिया था। इसके बाद बिल्डर ने हाई कोर्ट में दलील दी कि परियोजना में देरी राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के आदेश के

कारण हुई। उसका कहना था कि ओखला पक्षी विहार के आसपास 10 किलोमीटर क्षेत्र में निर्माण और अधिभोग प्रमाणपत्र जारी करने पर रोक थी। हाईकोर्ट ने इस दलील को स्वीकार नहीं किया। कोर्ट ने कहा कि बिल्डर के अपने ही पक्ष के अनुसार परियोजना वर्ष 2014 में पूरी हो गई थी और उसी वर्ष अधिभोग प्रमाणपत्र के लिए आवेदन भी किया गया था। ऐसे में वह एक ओर परियोजना पूरी होने की बता और दूसरी ओर एनजीटी की रोक के कारण परियोजना पूरी न होने की दलील एक साथ नहीं दे सकता। कोर्ट ने यह भी कहा कि एनजीटी की रोक अगस्त 2013 में लगी, जबकि कब्जा देने की संविदात्मक समय सीमा नवंबर 2012 थी। यानी बिल्डर की चूक रोक लगने से पहले ही हो चुकी थी। पीठ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट से मान्य जीरो पीरियड का लाभ भी उस अवधि तक ही सीमित रहेगा और इससे पहले

जुलूसे गौसिया बड़ी अकीदत शाने शौकत जुलूस– ए संपन्न



बारबंकी। जनपद में दिनांक 24.9.2026 दिन जुमेरात बाद नमाज जोहर परमसागत जुलूसे गौसिया निकट फजलुररहमान से हरी झंडी दिखाकर निकाला गया जुलूस की कयादत मौलाना ज़ाहिद अली

निजामी साहब ने की जो नगर के मुख्य मार्ग नाला सटटी बाजार, पुलिस चौकी, घंटाघर, धनोखर,निबलेट तिराहा, बेमगंज,चाँदतारा बिल्टडिंग,छाया चौराहा,राजकमल



रोड,पीरबटावन,जलील होटल,ईदगाह मैदान,डॉक्टर रफी रोड होता हुआ वापस फजलुर रहमान पार्क में सलतत व सलाम व दुआ पर समापन हुआ दौरान जुलूस बारगाहे गौसियत में मनकबब व तकरीर के जरिए खरिजे अकीदत पेश किया गया

जगह जगह लोगों ने लंगरे गौसिया को तकसीम किया गया जुलूसे गौसिया में कसीर ताअदाद में लोगों ने शिरकत की, उलमा ए किराम का हार फूल पहना कर इस्तेकबाल

किया गया जुलूस में शहर के व कुर्बों जवार के उलमा ए किराम अहममे मसाजिद हज़रात ने शिरकत की मुख्य रूप से हज़रात मौलाना जाहिद अली, मौलाना मेराज, मौलाना हामिद,हाजी मुसीविर अहमद,कारी रफीक आलम,मो0 समी निजामी मौलाना मुलतक़ीम,कारी फरीद,मौलाना शदाद, मौलाना तीफीक,नसीम खान,सुलतान अहमद,अमीनुददीन अंसारी,जुबेर सलमानी,मो0 वसीम,उसामा अंसारी, रईस

बुजुर्ग महिला की पीट–पीटकर हत्या, अर्धनग्न हालत में झाड़ियों में मिला शव, पुलिस कर रही जांच

लखनऊ। लखनऊ में बुजुर्ग महिला की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई।



उसकी लाश अर्धनग्न हालत में झाड़ियों में मिली। पुलिस मामले की जांच कर रही है। राजधानी लखनऊ में बुधवार रात 60 वर्षीय महिला की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। बृहस्पतिवार सुबह अर्धनग्न अवस्था में उसकी लाश मिली। घरवालों ने दुर्घर्म के बाद हत्या की आशंका जताई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र की है। यहां बुजुर्ग महिला का शव गांव के बाहर खाली प्लाट में झाड़ियों के बीच अर्धनग्न अवस्था में पड़ा मिला। हत्या की सूचना मिली तो पुलिस मौके पर पहुंची। मौका मुआयना करके घटना की जानकारी ली। ग्रामीणों ने महिला के साथ दुर्घर्म के बाद हत्या किए जाने की आशंका जताई है। घटना में गांव के ही तीन युवकों के शामिल होने की चर्चा है। बताया जा रहा है कि घटना के समय युवक शराब के नशे में थे। पुलिस ने दो युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। इंस्पेक्टर रामबाबू सिंह के मुताबिक, महिला के सर पर चोट के निशान हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण और महिला के साथ किसी तरह की आपराधिक घटना की पुष्टि हो सकेगी। मामले में तीन लोगों को हिरासत लेकर पूछताछ की जा रही है। तहरीर मिलने पर केस दर्ज किया जाएगा।

लविवि कर्मचारी परिषद की कार्यकारिणी अवैध घोषित, कुलसचिव ने जारी किया आदेश

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय कर्मचारी परिषद की मौजूदा कार्यकारिणी के अस्तित्व को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन ने बड़ा आदेश जारी किया है। कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा की ओर से 24 सितंबर को जारी कार्यालय आदेश में कहा गया है कि कर्मचारी परिषद के बायलॉज में कार्यकारिणी का कार्यकाल एक वर्ष निर्धारित है, जबकि यूनियन एक्ट-1926 में उर्खिखित कार्यकारिणी की अधिकतम समयावधि तीन वर्ष है। इसके दृष्टिगत वर्तमान में विश्वविद्यालय कर्मचारी यूनियन का अस्तित्व समाप्त हो चुका है। ऐसे में लखनऊ विश्वविद्यालय कर्मचारी परिषद की मौजूदा कार्यकारिणी भी वैधानिक रूप से अस्तित्व में नहीं है। आदेश में संबंधित अधिकारियों को इसकी सूचना देते हुए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। कुलसचिव ने आदेश की प्रतियां कुलपति के सचिव, सभी संकायाध्यक्ष/विभागाध्यक्ष, अधिष्ठाता छात्र कल्याण, वित्त अधिकारी, परीक्षा नियंत्रक समेत अन्य अधिकारियों को भेजी हैं। यह मामला इससे पहले भी विश्वविद्यालय में उठ चुका है। अप्रैल 2026 में कुलसचिव कार्यालय की ओर से जारी आदेश में बताया गया था कि कर्मचारी परिषद की कार्यकारिणी का एक वर्ष का कार्यकाल 29 अप्रैल 2024 को पूरा हो चुका था। इसके बाद कर्मचारी परिषद के चुनाव के लिए चुनाव अधिकारी की नियुक्ति की गई थी। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार, चुनाव के संबंध में 658 कर्मचारियों ने प्रत्यावेदन दिए थे। नए आदेश के बाद कर्मचारी परिषद की कार्यकारिणी की वैधानिक स्थिति पर स्थिति और स्पष्ट हो गई है। अब कर्मचारियों की प्रतिनिधित्व संस्था के चुनाव और नई कार्यकारिणी के गठन को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन की अगली कार्रवाई महत्वपूर्ण होगी।

किस्सा प्रशासन में गूंजा विकसित भारत का संकलप

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन विभाग की अटल सुशासन पीठ की ओर से बृहस्पतिवार को ‘किस्सा प्रशासन का = अध्याय-1–विकसित भारत2047’ विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ‘पीपुल, पॉलिसीज, पॉसिबिलिटीज’ यानी जन, नीतियां और संभावनाओं के माध्यम से विकसित भारत के लक्ष्य पर चर्चा हुई। कार्यक्रम की शुरुआत अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि और दीप प्रज्वलन से हुई। कुलपति प्रो. जेपी सैनी के संरक्षण में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता सेवानिवृत्त आईएएस एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव डॉ. अनूप चंद्र पांडेय ने अपने प्रशासनिक अनुभव साझा किए। उन्होंने सुशासन, सार्वजनिक नीति, प्रशासनिक सुधार और राष्ट्र निर्माण में प्रशासन की भूमिका पर प्रकाश डाला। वर्ष 1993 की अल्मोड़ा आपादा को केस स्टडी के रूप में प्रस्तुत करते हुए उन्होंने आपदा प्रबंधन, प्रशासनिक तंत्र की तत्परता और संकट से उबरने की क्षमता पर चर्चा की। विभागाध्यक्ष प्रो. वैशाली सक्सेना ने कार्यक्रम की भूमिका रखते हुए ‘किस्सा प्रशासन’ के पहले अध्याय और आपदा प्रबंधन से जुड़े पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने प्रशासनिक व्यवस्था में रेंजिलिएंस यानी संकट से उबरने की क्षमता के महत्व को रेखांकित किया। विशिष्ट अतिथि कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. अरविंद मोहन ने अपने निजी अनुभव साझा किए। उन्होंने विद्यार्थियों को किस्सों और अनुभवों के माध्यम से विषय समझने की उपयोगिता पर जोर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भी उन्होंने की। वक्ताओं ने कहा कि समावेशी, कुशल, उत्तरदायी और जवाबदेह शासन विकसित भारत की आधारशिला है। प्रशासन में पारदर्शिता, जनभागीदारी, नवाचार और बेहतर सेवा-प्रदाय के साथ नागरिकों की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। कार्यक्रम में अंग्रेजी एवं आधुनिक यूरोपीय भाषाओं के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. मैत्री प्रियदर्शी, प्रो. नंदलाल भारती, डॉ. नदिता कौशल, डॉ. सुशील चौहान, डॉ. अमन सिंह सहित शोधार्थी और बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे। संचालन कौशाम्बी सिंह तोमर ने किया। विभाग एवं अटल सुशासन पीठ की ओर से डॉ. सुशील सिंह चौहान ने अतिथियों और प्रतिभागियों के प्रति आभार जताया।

ग्लोबल मंच पर चमकेगा अमरोहा : इंटरनेशनल ट्रेड शो में जीआई टैग दोलक और ओडीओसी सेव का दिखेगा जादू

अमरोहा। ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में 25 से 29 सितंबर तक आयोजित होने वाले उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीए-2026) के चौथे संस्करण में जनपद अमरोहा के पारंपरिक शिल्प, हथकरघा और स्थानीय स्वाद का डंका बजेगा। प्रदेश सरकार व इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट लिमिटेड (आईईएमएल) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हो रहे इस विशाल व्यापार मेले में अमरोहा से कुल 6 प्रमुख इकाइयों और उद्यमियों का चयन किया गया है। इस आयोजन में रूस, सिंगापूर, वियतनाम, ऑस्ट्रेलिया और जापान पार्टनर कंट्री के रूप में भाग ले रहे हैं। जिले के विश्वविख्यात जीआई टैग प्राप्त वाद्य यंत्रों (दोलक आदि) के साथ-साथ %एक जिला एक व्यंजन% (ओडीओसी) के तहत मशहूर सेव, वुडन हैंडीक्राफ्ट, कंबल और हैंडलूम उत्पाद वैश्विक खरीदारों के आकर्षण का केंद्र बनेंगे। 1.5 लाख बी2बी बायर्स और 4.5 लाख से अधिक बी2सी आगंतुकों के बीच आयोजित हो रहे इस महामंच से अमरोहा के कुटीर उद्योगों को सीधे निर्यात आर्डर और वैश्विक सप्लायर्स चैन से जुड़ने का बड़ा आधार मिलेगा। ओडीओपी व जीआई टैगन-हॉल नंबर 11 में गुंजेगी दोलक की थाप अमरोहा की ऐतिहासिक पहचान उसके पारंपरिक संगीत वाद्य यंत्रों से है जो जिले का मुख्य उत्पाद होने के साथ-साथ (जीआई टैग) से भी प्रमाणित है। ट्रेड शो के हॉल नंबर 11 में जीआई टैग श्रेणी के तहत %मै आर्टीजन

अमेरिकी धरती पर खड़े होकर ट्रंप को घेरना आसान नहीं, मगर मैक्रों, पेजेशकियन, अहमद अल-शरा और सिल्वा ने ये कर दिखाया

संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका को सबसे सीधी चुनौती ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन की ओर से मिली। 2३ सितंबर को पेजेशकियन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक दिन पहले दिए गए कड़े बयान का जवाब देते हुए कहा कि ईरान दबाव के आगे नहीं झुकेगा।

संयुक्त राष्ट्र महासभा के वार्षिक अधिवेशन में इस बार एक अनोखी तस्वीर देखने को मिली। अमेरिकी धरती न्यूर्यांक पर खड़े होकर कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने जिस तरह अमेरिका की नीतियों को ही आड़े हाथ लिया, उससे वैश्विक राजनीति में बढ़ती बेचैनी साफ दिखाई दी। ईरान ने सीधे अमेरिका को चुनौती दी, फ्रांस ने महाशक्तियों के तकनीकी और सामरिक वचंस्व पर सवाल उठाए, सीरिया ने गोलान पहाड़ियों पर अमेरिकी नीति को खारिज किया, जबकि ब्राजील और तुर्किये जैसे देशों ने संप्रभुता, विदेशी हस्तक्षेप और मौजूदा वैश्विक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए। संदेश साफ है कि दुनिया की अनेक सरकारें मौजूदा अंतरराष्ट्रीय संकटों के लिए अमेरिकी नीतियों और व्यापक शक्ति आधारित राजनीति को जिम्मेदार ठहराते हुए अब ज्यादा मुखर दिखाई दे रही हैं। राजनीति

इस पूरे घटनाक्रम में फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों का भाषण बेहद महत्वपूर्ण रहा। 22 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने संबोधन में मैक्रों ने चेतावनी दी कि दुनिया कहीं फिर से «जंगल के कानून» की ओर न लौट जाए। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था उस समय कमजोर होती है जब ताकतवर देश नियमों और संस्थाओं से ऊपर खुद को समझने लगते हैं। मैक्रों ने सबसे तीखा सवाल कृत्रिम बुद्धिमत्ता के भविष्य को लेकर उठाया। उनका कहना था कि दुनिया का भविष्य केवल अमेरिका, चीन या कुछ बड़ी निजी कंपनियों के हाथों में नहीं छोड़ा जा सकता। उन्होंने तकनीकी संप्रभुता, ओपन सोर्स अत्याधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणालियों और रक्षा, साइबर सुरक्षा तथा अंतरिक्ष क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय नियमों की आवश्यकता पर जोर दिया। यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में अमेरिकी कंपनियों का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है।

गंगा के मुड़े पर भी मैक्रों ने पश्चिमी देशों की नीतियों को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने गाजा की मानवीय स्थिति को बेहद गंभीर बताते हुए मौजूदा शांति प्रयासों पर सवाल उठाया। पश्चिमी टट में बस्तियों से जुड़ी हिंसा की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि पड़ोसी देशों की संप्रभुता का उल्लंघन इजराइल के भविष्य को सुरक्षित नहीं कर सकता। यूक्रेन युद्ध को लेकर उन्होंने नागरिक और ऊर्जा ढांचे पर हमले रोकने तथा काला सागर से अनाज परिवहन की सुरक्षा के लिए दोहरी अस्थायी युद्धविराम व्यवस्था का प्रस्ताव भी रखा।

लेकिन संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका को सबसे सीधी चुनौती ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन की ओर से मिली। 23 सितंबर को पेजेशकियन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक दिन पहले दिए गए कड़े बयान का जवाब देते हुए कहा कि ईरान दबाव के आगे नहीं झुकेगा। उन्होंने अमेरिका और इजराइल पर ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई का आरोप लगाते हुए ईरान को आतंकवाद का दोषी नहीं, बल्कि आतंकवाद का पीड़ित बताया।

पेजेशकियन ने ईरान के खिलाफ सैन्य और आर्थिक दबाव को लेकर कहा कि उनका देश «घुटने नहीं टेकेगा।» उन्होंने परमाणु हथियार हासिल करने की इच्छा से इंकार किया, लेकिन शांतिपूर्ण परमाणु तकनीक, विशेषकर चिकित्सा और कृषि के लिए, इन पर किसी तरह की पाबंदी स्वीकार करने से भी साफ इंकार कर दिया। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर भी उन्होंने ईरान के नौवहन अधिकारों पर जोर दिया और अमेरिकी नाकेबंदी समाप्त करने की मांग रखी।

हालाँकि ईरानी राष्ट्रपति ने युद्ध के बीच कूटनीति का दरवाजा पूरी तरह बंद नहीं किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि बातचीत संभव है, लेकिन इसके लिए अमेरिका को धमकी, बल प्रयोग और प्रतिबंधों की भाषा छोड़नी होगी। इसी बीच ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची और अमेरिकी विशेष दूत स्टीव वित्कोफ़ के बीच करार की मध्यस्थता से अप्रत्यक्ष बातचीत भी हुई, लेकिन तत्काल कोई बड़ी सफलता सामने नहीं आई। ईरानी पक्ष आर्थिक और समुद्री प्रतिबंध हटाने तथा फ्रीज हुए धन से जुड़े मुद्दों पर अपनी शर्तों पर कायम रहा। इस टकराव का सबसे नाटकीय दृश्य तब देखने को मिला जब पेजेशकियन के भाषण के दौरान अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल संयुक्त राष्ट्र महासभा कक्ष से बाहर चला गया। एक ओर मंच पर ईरान अमेरिका को चुनौती दे रहा था, दूसरी ओर पदों के पीछे दोनों पक्षों के बीच बातचीत भी चल रही थी। यानी युद्ध और कूटनीति एक साथ आगे बढ़ते दिखाई दिए। वहीं सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शरा ने भी अमेरिकी नीति पर खुला प्रहार किया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में स्पष्ट कहा कि गोलान पहाड़ियां सीरिया की भूमि हैं और किसी भी बाहरी शक्ति को सीरियाई क्षेत्र किसी दूसरे देश को सौंपने का अधिकार नहीं है।

अवैध और असुरक्षित निर्माण



कुछ सवाल हैं, जो हर हादसे बाद उठते हैं। दरअसल, राष्ट्रीय राजधानी अवैध और असुरक्षित निर्माण तथा सुरक्षा नियमों की अनदेखी के साथ चल रहे आवासीय कारोबार का अड्डा बन गई है। कहानी एक जैसी होती है, सिर्फ घटना का स्थल और उसके शिकार पात्र बदल जाते हैं। हाल में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इमारत गिरने पर और आग लगने की घटनाओं पर गौर करें, तो उपरोक्त वाक्य सहज ही जुबान पर आ जाता है। इस सिलसिले की ताजा घटना दिल्ली के सत्य निकेतन में हुई, जहां वो इमारत ढही, जिसमें अनेक छात्र पेइंग गेट्स के रूप में रहते थे। फिलहाल वह हूई मौतों और दर्दनाक नज़ारे से लोग आहत हैं। लेकिन ऐसा ही जुलाई 2024 में हुआ था, जब एक कॉरिंग सेंटर के बेसमेंट में कब्रसात का पानी जा घुसा, जिससे तीन छात्रों की मौत हुई थी। इस वर्ष मई में साकेत इलाके में बिल्डिंग गिरी, तो जून में हैजरानी में बीएडब्ली होटल में आग लगने से 23 लोगों की जान गई। ऐसी सारी घटनाओं में कुछ बातें समान रहती हैं। मसलन, इमारत का अनियमित इस्तेमाल, अवैध निर्माण, सुरक्षा नियमों की अनदेखी, आदि। आम शिकायत है कि ऐसा

गरीब कल्याण के क्षेत्र

में भी सेवा का सबसे संवेदनशील रूप दिखाई देता है।

प्रधानमंत्री उज्वला योजना ने करोड़ों गरीब परिवारों की महिलाओं को धुएं से राहत देते हुए स्वच्छ ईंधन की सुविधा से जोड़ा। एक रसोई में जलती गैस की लौ को केवल एक सरकारी योजना का परिणाम मानना पर्याप्त नहीं होगा। उसके पीछे एक महिला का बदला हुआ जीवन, उसके समय की बचत और सम्मान के साथ भोजन बनाने का अवसर भी जुड़ा है।
खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना और सार्वजनिक वितरण प्रणाली ने यह सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है कि गरीब और जरूरतमंद परिवारों की थाली तक खाद्यान्न पहुंचे।

डॉ. ओम डहिरिया

किसी गरीब मां के लिए वह क्षण कितना बड़ा होता होगा, जब उसके घर के चूल्हे पर धुएं के बजाय गैस की नीली लौ जलती है। किसी पिता के लिए वह कितनी बड़ी राहत होगी, जब उसे यह चिंता न हो कि आज बच्चों के लिए भोजन कहां से आएगा। बस्तर के किसी दूरस्थ गांव में रहने वाले जनजातीय परिवार के लिए वह कितनी बड़ी खुशी होगी, जब कठिन रातों को पार कर राशन उसके गांव तक पहुंचता है। वास्तव में सेवा का अर्थ इन्हीं छोटे-छोटे लेकिन अनमोल क्षणों में दिखाई देता है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने का अवसर हमें इसी व्यापक अर्थ में सेवा को देखने का अवसर देता है। यह यात्रा केवल पद और दायित्व की यात्रा नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने के संकल्प की यात्रा भी रही है। %सेवा संकल्प अभियान’ के माध्यम से हम प्रधानमंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त करने के साथ-साथ यह संकल्प भी लें कि विकसित भारत के निर्माण में हमारा अपना योगदान क्या होगा।

सेवा का भाव किसी एक व्यक्ति या संस्था तक सीमित नहीं होता। जब कोई व्यक्ति रक्तदान करता है, किसी जरूरतमंद की मदद करता है, स्वच्छता के लिए श्रमदान करता है, नदी या घाट की सफाई में अपना समय देता है अथवा अपने आसपास के लोगों को स्वच्छता के लिए प्रेरित करता है, तब राष्ट्र निर्माण की एक छठी लेकिन महत्वपूर्ण ईंट रखी जाती है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छता को इसी जनभागीदारी से जोड़ा। स्वच्छ भारत अभियान ने यह संदेश घर-घर तक पहुंचाया कि स्वच्छता केवल सफाई कर्मी या सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। इसी तरह गंगा और देश की अन्य नदियों की स्वच्छता के लिए नमामि गंगे जैसे प्रयासों ने नदी, घाट और पर्यावरण



को लेकर समाज की भागीदारी को व्यापक बनाया। सेवा का यह स्वरूप हमें बताता है कि राष्ट्र के प्रति प्रेम केवल शब्दों में नहीं, बल्कि हमारे कर्म्मों में दिखाई देना चाहिए। गरीब कल्याण के क्षेत्र में भी सेवा का सबसे संवेदनशील रूप दिखाई देता है। प्रधानमंत्री उज्वला योजना ने करोड़ों गरीब परिवारों की महिलाओं को धुएं से राहत देते हुए स्वच्छ ईंधन की सुविधा से जोड़ा। एक रसोई में जलती गैस की लौ को केवल एक सरकारी योजना का परिणाम मानना पर्याप्त नहीं होगा। उसके पीछे एक महिला का बदला हुआ जीवन, उसके समय की बचत और सम्मान के साथ भोजन बनाने का अवसर भी जुड़ा है।

खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना और सार्वजनिक वितरण प्रणाली ने यह सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है कि गरीब और जरूरतमंद परिवारों की थाली तक खाद्यान्न पहुंचे। इस भावना को बहुत करीब से महसूस करने की बात है कि शासन की किसी भी योजना की सफलता का सबसे बड़ा पैमाना यह है कि उसका लाभ अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक कितनी सहजता से पहुंचा। छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक वितरण प्रणाली केवल राशन वितरण की व्यवस्था नहीं, बल्कि लाखों परिवारों के जीवन में खाद्य सुरक्षा का आधार है। उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से चावल और आवश्यक खाद्यान्न जब किसी जरूरतमंद परिवार के घर

तक पहुंचता है, तब शासन की संवेदनशीलता धरातल पर दिखाई देती है। सरकार की कोशिश भी यही है कि पात्र व्यक्ति योजना से वंचित न रहे और व्यवस्था में पारदर्शिता तथा जवाबदेही बनी रहे।

बस्तर का संदर्भ इस सेवा भावना को और गहरा करता है। दूरस्थ एवं जनजातीय अंचलों में भौगोलिक परिस्थितियां अनेक बार सुविधाओं की राह कठिन बनाती हैं। ऐसे क्षेत्रों में नियम नेह्ननार जैसी पहल के माध्यम से शासन की सुविधाओं को उन गांवों और परिवारों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है, जो लंबे समय तक मुख्यधारा की सुविधाओं से दूर रहे। जब ऐसे किसी गांव के परिवार को उसके नजदीक राशन की सुविधा मिलती है, तो वह केवल खाद्यान्न का वितरण नहीं होता - वह शासन और नागरिक के बीच विश्वास का सेतु बनता है।

प्रदेश में पीडीएस प्रणाली की सबसे मानवीय पक्ष यही है कि प्रदेश में कोई पात्र परिवार भूखा न रहे। राशन की दुकान पर पहुंचने वाला प्रत्येक परिवार केवल एक राशनकार्ड संख्या से दूर नहीं है। वह एक परिवार है, जिसकी अपनी आवश्यकताएं, उम्मीदें और भविष्य हैं। किसी मां के चेहरे की चिंता कम होना और बच्चों की थाली में भोजन पहुंचना ही सरकार की काम की वास्तविक सार्थकता है। %सेवा मेरा योगदान’ की भावना इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि विकसित भारत का निर्माण केवल सरकार नहीं कर सकती। सरकार

विविध

सेवा संकल्प अभियान दूरियां घटीं, स्वास्थ्य सेवाओं की

--मेडिकल यूनिटों से 4.66 लाख से अधिक मरीज लाभान्वित
--सेवा संकल्प अभियान- दूरियां घटीं, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच
--बढ़ी- मोबाइल मेडिकल यूनिटों से 4.66 लाख से अधिक मरीज लाभान्वित
--जहां स्वास्थ्य सुविधा की पहुंच कठिन थी, वहां पहुंचा उपाचर- धमतराी की मोबाइल
--मेडिकल यूनिटों ने रवा जनसेवा का नया अध्याय

शशिरत्न पराशर
धमतराी की मोबाइल मेडिकल यूनिटों ने रवा जनसेवा का नया अध्यायस्वास्थ्य समाज ही सशक्त और विकसित जिले की आधारशिला है। इसी सोच के साथ धमतराी जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को नागरिकों के और अधिक करीब ले जाने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) स्वास्थ्य सेवाओं को अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों की सीमाओं से आगे ले जाकर उन बस्तियों और क्षेत्रों तक पहुंचा रही हैं, जहां लोगों के लिए स्वास्थ्य संस्थानों तक पहुंचना हमेशा सहज नहीं होता।

धमतराी जिले में मोबाइल मेडिकल यूनिटों का संचालन किया जा रहा है। इसके बाद से इन मोबाइल स्वास्थ्य सेवाओं ने जिले के विभिन्न शहरी, ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधा की पहुंच को मजबूत किया है। अब तक मोबाइल मेडिकल यूनिटों के माध्यम से 4 लाख 66 हजार 744 मरीजों का उपचार, 1 लाख 19 हजार 370 पैथोलॉजी जांच और 4 लाख 12 हजार 116 दवाइयों का वितरण किया जा चुका है। इस दौरान जिले में 5 हजार 839 स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए हैं। स्वास्थ्य सुविधा अब दूरी की मोहताज नहीं शासन , प्रशासन की प्राथमिकता रही है कि स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ जरूरतमंद नागरिकों को समय पर और सही रूप से मिले। मोबाइल मेडिकल यूनिट इसी उद्देश्य को धरातल पर साकार



करने का प्रभावी माध्यम बनी हैं। निर्धारित क्षेत्रों में पहुंचने वाली इन यूनिटों में चिकित्सा दल द्वारा मरीजों की स्वास्थ्य जांच, चिकित्सकीय परामर्श, आवश्यक द्रौ पैथोलॉजी जांच और उपचार के साथ दवाइयां उपलब्ध कराई जाती हैं। इससे विशेषकर ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों को सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं के लिए लंबी दूरी तय कर स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंचने की आवश्यकता कम हुई है। स्वास्थ्य सुविधा को नागरिकों तक पहुंचाने की यह अवधारणा जन-केन्द्रित प्रशासन की भावना को मजबूत करती है।

चार मोबाइल मेडिकल यूनिटों से जिले में व्यापक कवरेज
धमतराी जिले में कुल चार मोबाइल मेडिकल यूनिट अलग-अलग क्षेत्रों में सेवाएं प्रदान कर रही हैं। एमएमयू -1 और एमएमयू -2 के माध्यम से निगम क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा रही हैं। एमएमयू -3 कुरुद-मगरलोड क्षेत्र तथा एमएमयू -4 नगरी-आमदी-भखारा क्षेत्र में संचालित है। इन यूनिटों के माध्यम से अलग-अलग बस्तियों में स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर नागरिकों को उपचार एवं जांच की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। स्वास्थ्य सेवाओं की यह नियमित पहुंच बीमारी की पहचान और उपचार के साथ-साथ लोगों में नियमित स्वास्थ्य परीक्षण की आदत विकसित करने में भी सहायक बन रही है। धमतराी की मोबाइल मेडिकल यूनिटों ने रवा जनसेवा का नया अध्याय उपचार के साथ स्वास्थ्य

जागरूकता पर भी जोर
मोबाइल मेडिकल यूनिटों का उद्देश्य केवल मरीजों को दवा उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि समुदाय को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाना भी है। शिविरों में नागरिकों को समय पर स्वास्थ्य जांच कराने, बीमारी के शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज न करने और चिकित्सकीय परामर्श लेने के महत्व की जानकारी दी जा रही है। इससे सामान्य एवं मौसमी बीमारियों के प्रति सजगता बढ़ने के साथ नागरिकों में निवारक स्वास्थ्य देखभाल को लेकर जागरूकता का विस्तार हो रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता लोगों के लिए भरोसे का माध्यम भी बन रही है।

मैदानी समन्वय से सेवाओं में निरंतरता
मोबाइल मेडिकल यूनिटों के सुचारू संचालन में भव्या हेल्थ सर्विसेज प्रा. लि. की प्रबंधन एवं फील्ड टीम द्वारा आवश्यक समन्वय और मैदानी सहयोग किया जा रहा है। मेडिकल स्टाफ की उपलब्धता, शिविर आयोजन, आवश्यक संसाधनों तथा विभिन्न मैदानी गतिविधियों के बीच समन्वय से निर्धारित क्षेत्रों को स्वास्थ्य सेवाओं की निरंतरता बनाए रखने में सहायता मिल रही है।

आंकड़े बताते हैं सेवा की व्यापक पहुंच
4,66,744 उपचारित मरीज, 1,19,370 पैथोलॉजी जांच, 4,12,116 दवाइयों का वितरण और 5,839 स्वास्थ्य शिविर--ये आंकड़े केवल उपलब्धियों का विवरण नहीं हैं, बल्कि जिले में

योजनाएं बना सकती है, संसाधन उपलब्ध करा सकती है और व्यवस्थाएं खड़ी कर सकती है; लेकिन उन्हें जनआंदोलन बनाने की शक्ति समाज की सहभागिता से आती है। रक्तदान करने वाला व्यक्ति, स्वच्छता के लिए आगे आने वाला युवा, नदी-घाट की सफाई करने वाला नागरिक, किसी जरूरतमंद को सरकारी योजना की जानकारी देने वाला व्यक्ति--हर कोई विकसित भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभा सकता है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने पर हमें केवल पीछे मुड़कर देखने की आवश्यकता नहीं है। यह आगे बढ़ने और अपने हिस्से की जिम्मेदारी स्वीकार करने का भी अवसर है। आइए, हम संकल्प लें कि अपने गांव, अपने शहर, अपने

समाज और अपने प्रदेश के लिए हम कुछ न कुछ अवश्य करें। क्योंकि राष्ट्र निर्माण हमेशा बड़े कामों से नहीं होता। कई बार वह उस छोटी-सी रसोई से शुरू होता है, जहां गरीब मां निश्चित होकर चूल्हा जलाती है। उस राशन की दुकान से शुरू होता है, जहां जरूरतमंद परिवार को खाद्यान्न मिलता है। उस स्वच्छ घाट से शुरू होता है, जहां नागरिक अपने हाथों से सफाई करते हैं। और उस रक्तदान शिविर से शुरू होता है, जहां कोई अनजान व्यक्ति किसी अनजान जीवन को बचाने का माध्यम बनता है। सेवा से संकल्प और संकल्प से विकसित भारत-यही वह यात्रा है, जिसमें सरकार के साथ प्रत्येक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है।

लेखक सहायक जनसंपर्क अधिकारी हैं।

वर्षा में बह गया गेवरा खदान का रेस्ट शेल्टर- घटना के समय अंदर नहीं थे कर्मचारी, टल गया बड़ा हदसा
एसईसीएल की गेवरा कोयला खदान में सोमवार को तेज बारिश के दौरान माईनिंग स्टाफ के लिए बनाया गया रेस्ट शेल्टर पानी के तेज बहाव में बहकर खदान की गहरी खाई में जा गिरा। घटना गणेश सावेल क्षेत्र की है। राहत की बात यह रही कि जिस समय पानी का बहाव बढ़ा, उस दौरान शेल्टर के भीतर कोई कर्मचारी मौजूद नहीं था। इससे बड़ा हादसा टल गया। बताया जा रहा है कि खदान क्षेत्र में करीब एक घंटे तक तेज वर्षा हुई। इसके बाद ऊपरी हिस्से से निचले क्षेत्र को पानी का बहाव बढ़ गया। पानी की चपेट में आने से टिन शेड से बना रेस्ट शेल्टर अपनी जगह से उखड़ गया और तेज बहाव के साथ खदान की गहराई में जा गिरा। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें शेल्टर को पानी के बहाव में बहते हुए देखा जा सकता है। खदान में तैनात शिफ्ट ईंचार्ज, माईनिंग सरदार और ओवरमैन धूप व वर्षा से बचने के लिए इस शेल्टर का उपयोग करते थे। ड्यूटी के दौरान कर्मचारियों के आराम करने के लिए यह स्थान बनाया गया था। वर्षा के दौरान जिस तरह से पानी का बहाव बढ़ा और पूरा ढांचा बह गया, उससे शेल्टर की स्थिति और वहां पानी निकासी की व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं। बताया जा रहा है कि शेल्टर के आसपास वर्षा के पानी की निकासी के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी। इसी वजह से तेज वर्षा के बाद पानी एकत्रित होकर बहाव में बदल गया और इसकी चपेट में शेल्टर आ गया। हालाँकि, घटना के समय कर्मचारियों के वहां मौजूद नहीं होने से जनहानि नहीं हुई। वर्षा के दौरान खदान क्षेत्र में जलभराव और तेज बहाव का खतरा पहले भी जानलेवा साबित हो चुका है। जुलाई 2024 में कुसमुंड खदान के गोदावरी फेस क्षेत्र में तेज वर्षा के बाद पानी और मलबे का अचानक तेज बहाव आया था। उस समय छह अधिकारी-कर्मचारी इसकी चपेट में आए थे। पांच कर्मचारी बच गए थे, जबकि अंडर मैनेजर एवं शिफ्ट ईंचार्ज जितेंद्र कुमार नाराकर बहाव में फंस गए थे। अगले दिन बचाव दल ने उनका शव मलबे से बरामद किया था। गेवरा में रेस्ट शेल्टर बहने की घटना ने एक बार फिर वर्षा के दौरान खदान में

आज का राशिफल

मेष राशि- मेष राशि वालों आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। अगर आप एक स्टूडेंट हैं तो आपके लिए एक खुशखबरी यह है कि आज आपको करियर से रिलेटेड कोई शुभ सूचना मिल सकती है। कॉलेज में आपको एक्टिविटी से आपके दोस्त खुश होंगे। आज आप किसी ऐसे व्यक्ति से मिलेंगे, जिससे आप काफी प्रभावित होंगे। आज आपको किसी मामले में समझदारी से फैसला लेना होगा। लवमेट के लिए आज का दिन अच्छ रहने वाला है, साथ में डिनर करने जाएंगे। आज आपके दायित्व जीवन में खुशहाली आएगी।

आज का शुभ रंग- नारंगी

आज का शुभ अंक- 7

वृष राशि- वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आपको काम को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी नहीं तो आपका काम अधूरा रह सकता है। जो लोग आपको अभी तक ताना दे रहे थे आज उनको कुछ कर दिखाने का दिन है, आप जिस भी काम को करेंगे उसमें आपको सफलता जरूर मिलेगी। आज आपको संतान की संगति की ओर विशेष ध्यान देना होगा। आज ऑफिस में वर्कलोड बढ़ सकता है लेकिन आपके द्वारा किया गया काम आपके बॉस को इम्प्रेस करेगा। रुपए-पैसे को मामले में लापरवाही नहीं करेंगे तो नुकसान से बच जाएंगे।

आज का शुभ रंग- गुलाबी

आज का शुभ अंक- 2

मिथुन राशि- मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। जो लोग होटल या रेस्टोरेंट जैसे बिजनेस से जुड़े हैं, उनके लिए दिन पहले से बेहतर रहेगा, आज आपका दिन ज्यादा लाभ दिलाने वाला है। आज आपको जीवन और कार्यक्षेत्र दोनों जगहों पर पिता का सहयोग मिलेगा। आज आपके पारिवारिक रिश्तों में मिठास बनी रहेगी। आज आप किसी जरूरतमंद की मदद करेंगे। आपके जीवनसाथी कोई जरूरत का सामान आपको गिफ्ट करेंगे। घर के कामों में बड़े भाई का सहयोग मिलेगा। राजनीति से जुड़े लोग आज किसी सभा को आयोजित कर सकते हैं।

आज का शुभ रंग- नारंगी

आज का शुभ अंक- 3

कर्क राशि- कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छ रहने वाला है। आज आपको व्यापार में उम्मीद से अधिक लाभ प्राप्त होगा। आज आप अपने जीवन को और बेहतर बनाने के लिए कोशिश करेंगे। आज आपके घर पर कुछ मेहमान आ सकते हैं, आपको खुशी होगी। आज ऑफिस में काम की अधिकता थोड़ी ज्यादा रहेगी, लेकिन शाम तक सारा काम अच्छे से निपट जाएगा। आज आपका जीवनसाथी के साथ सामंजस्य बना रहेगा। बच्चे आज आपसे मां की बात बता सकते हैं। डॉक्टरस के लिए आज का दिन अच्छ रहने वाला है।

आज का शुभ रंग- मैजेंटा

आज का शुभ अंक- 9

सिंह राशि- सिंह राशि वालों आज का दिन आपके जीवन में नई खुशियां लेकर आया है। आप किसी काम के सिलसिले से की गई यात्रा फायदेमंद रहेगी। साथ ही समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। परिवार में किसी रिश्तेदार के आमनन से घर में खुशी का माहौल बनेगा, आपकी मुलाकात कुछ खास लोगों से होगी। आप अपने लक्ष्य को जल्द से जल्द पूरा करने के बारे में विचार करेंगे। ऑफिस में आपके अच्छे काम को देखकर जुनियर आपकी ज्यादा रेस्पेक्ट करेंगे। जो लोग मार्केटिंग के फील्ड से जुड़े हैं, उन्हें आज अच्छे क्लाइंट मिल सकते हैं। आज का शुभ रंग- भूरा

आज का शुभ अंक- 7
कन्या राशि- कन्या राशि वालों आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज का दिन आपके फेवर में रहने से आपको खुशी होगी, जिस काम का रिजल्ट मिलने में देर हो रही थी उसमें आपको सफलता मिलने के योग हैं। आज अपनी संतान को खुश देखकर आपको भी खुशी होगी। आज आप घर के बड़े-बुजुर्गों का खास ख्याल रखेंगे, आपको भी अच्छ लगेगा।

फैमिली की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए खर्च और खरीदारी करते समय संतुलन बनाकर चलना होगा, बचत की ओर खासतौर पर ध्यान देना होगा।

सड़कें बनाईं, फिर भूल गया जिला पंचायत! जर्जर मार्ग पूछ रहे....आखिर कब होगी मरम्मत?

संवाददाता
रतनपुर। सड़क निर्माण को विकास की बुनियादी जरूरत माना जाता है, लेकिन निर्माण के बाद उसके रखरखाव पर ध्यान नहीं दिया जाए तो सार्वजनिक धन से तैयार सड़कें कुछ ही वर्षों में बदहाली की तस्वीर बन जाती हैं। रतनपुर विकासखंड में जिला पंचायत से निर्मित और नवीनीकृत कुछ सड़कों की मौजूदा स्थिति यहाँ प्रभावलेख खड़ा कर रही है कि आखिर निर्माण के बाद इनकी सुध कब ली जाएगी।

ग्राम पंचायत गाढ़ा के रामलखन
विद्यालय से करऊत ग्राम पंचायत के
सरखुलिया और ताजपुर बारी तक
जाने वाला मार्ग करीब ढाई दशक
महले खड़जे के रूप में बनाया गया
था। बाद में इसके कुछ हिस्से में ईट



की गिट्टी डालकर काम छोड़ दिया गया। समय बीतने के साथ गिट्टियाँ बिखर गईं और अब कई स्थानों पर सड़क के अवशेष ही नजर आते हैं। मार्ग जगह-जगह गड्ढों में तब्दील हो

इसी तरह गाढ़ा गांव के मुख्य हिस्से से होकर गुजरने वाली सड़क का जिला पंचायत ने वर्ष 2016-17 में नवीनीकरण कराया था। अब यह मार्ग

भी कई जगह टूटकर जर्जर हो चुका है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क की हालत लगातार खराब होने के बावजूद मरम्मत को लेकर अपेक्षित पहल नहीं हुई।

सबसे बड़ा सवाल विभागीय कार्यप्रणाली को लेकर है। यदि जर्जर सड़क के निरीक्षण और मरम्मत के लिए भी जिला पंचायत प्रतिनिधियों के प्रस्ताव का इंतजार किया जाता है तो फिर विभागीय निगरानी की व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। यदा सड़क की बहाली सामने आने के बाद भी कार्रवाई के लिए अलग से प्रस्ताव जरूरी है? स्थलীয় सर्वेकारण बने कार्ययोजना जरूरत है कि जिला पंचायत अपने सड़कों से निर्मित अथवा नवीनीकृत सड़कों का स्थलिय सर्वे कराए। उनकी वर्तमान स्थिति के आधार पर प्राथमिकता तय करते हुए जर्जर मार्गों को आगामी कार्ययोजना में शामिल किया जाए। सरकारी धन से बनी सार्वजनिक जगहों का रखरखाव भी



संबंधित भूमि की वास्तविक स्थिति का सत्यापन किया गया।

एसडीएम ने कहा कि दोनों मामलों में स्थलाय निरीक्षण और उपलब्ध अभिलेखों की परीक्षण के बाद नियमानुसार आग की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने संबंधित राजस्व कर्मियों को मामले से जुड़े तथ्यों और अभिलेखों को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

116 के तहत चल रहे भूमि बंटवारा विदश की जांच की लेखपाल निदेश यादव के साथ मीरा पर पहुंचकर उन्होंने संबंधित खेतों का भौतिक सत्यापन किया। दोनों पक्षों से भूमि से जुड़े तथ्यों और दावों की जानकारी लेने के साथ उपलब्ध अभिलेखों का भी अवलोकन किया गया। इसके बाद एसडीएम गोपा गांव पहुंचे। यहां कलपूर् और रामनिजन के बीच धारा 116 के तहत लंबित भूमि बंटवारा मामले में स्थलीय निरीक्षण किया। लेखपाल अखिलेश कुमार की मौजूदगी में दोनों पक्षों से जानकारी लेने के बाद

छेड़खानी, मारपीट और धमकी के आरोप में पांच के खिलाफ मुकदमा, कोर्ट के आदेश पर कार्रवाई

संबाददाता
मधुबनी। थाना मधुबन क्षेत्र में डेडखानी, मारपीट, गाली-गलौज, मोबाइल तोड़ने और जानास मारने की घमकी देने के आरोप में पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। मामला न्यायालय के आदेश पर दर्ज हुआ है। प्रकरण में पॉक्सो एक्ट की धाराएं भी लगाई गई हैं। पुलिस अभिलेख के अनुसार मुकदमा अपराध संख्या 367/2026 में भारतीय न्याय संहिता की धारा 76, 115(2), 352, 351(3), 324(4) बीएनएस तथा धारा 7/8 पॉक्सो एक्ट के तहत कारवाई की गई है।

काकायत के अनुसार नामजद आरोपी आकाश चौहान पर छड़खानी करने, दुपट्टा खींचकर अर्धनग्न करने और कलाई पकड़ने का आरोप है। वहीं अन्य आरोपियों पर गाली-गलौज, मारपीट, पीड़ित पक्ष की माता के साथ मारपीट, मोबाइल तोड़ने तथा जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए गए हैं। मकदमों में नामजद आरोपियों में आकाश चौहान पुत्र वीरेंद्र चौहान, वीरेंद्र चौहान पुत्र गुलाब चौहान, विद्यावती पत्नी वीरेंद्र चौहान, इन्दू पुत्री वीरेंद्र चौहान तथा सिन्धु पुत्री वीरेंद्र चौहान शामिल हैं। सभी का पता पुलिस अभिलेख में मधुवन थाना क्षेत्र का दर्ज है। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक घटना 20 जुलाई 2026 को सुबह करीब 8 बजे की बताई गई है, जबकि मकदमा 23 सितंबर 2026 को दोपहर 12-04 बजे दर्ज किया गया। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक तौकरी जांच की जा रही है। पुलिस आरोपों की जांच कर रही है।

छेड़खानी, मारपीट और धमकी के आरोप में पांच के खिलाफ मुकदमा, कोर्ट के आदेश पर कार्रवाई

मधुबन। थाना मधुबन क्षेत्र में छेड़खानी, मारपीट, गाली-गलौज, मोबाइल तोड़ने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। मामला न्यायालय के आदेश पर दर्ज हुआ है। प्रकरण में पॉक्सो एक्ट की धाराएं भी लगाई गई हैं। पुनिस अभिलेख के अनुसार मुकदमा अपराध संख्या 367/2026 में भारतीय न्याय संहिता की धारा 76, 115(2), 352, 351(3), 324(4) बीएनएस तथा धारा 7/8 पॉक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

शिकायत के अनुसार नामजद आरोपी आकाश चौहान पर छड़खानी करने, दुपट्टा खींचकर अर्धनग्न करने और कलाई पकड़ने का आरोप है। वहीं अन्य आरोपियों पर गाली-गलौज, मारपीट, पीड़ित पक्ष की माता के साथ मारपीट, मोबाइल तोड़ने तथा जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए गए हैं। मुकदमे में नामजद आरोपियों में आकाश चौहान पुत्र वीरेंद्र चौहान, वीरेंद्र चौहान पुत्र गुलाब चौहान, विद्यावती पत्नी वीरेंद्र चौहान, इन्दू पुत्री वीरेंद्र चौहान तथा सिन्धु पुत्री वीरेंद्र चौहान शामिल हैं। सभी का पता पुलिस अभिलेख में मधुवन थाना क्षेत्र का दर्ज है। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक घटना 20 जुलाई 2026 को सुबह करीब 8 बजे की बताई गई है, जबकि मुकदमा 23 सितंबर 2026 को दोपहर 12-04 बजे दर्ज किया गया। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक तौकरी खां द्वारा की जा रही है। पुलिस आरोपों की जांच कर रही है।

घाट की धसी सीढ़ियों से उठे सवाल, जांच
फिर नगर पंचायत के पाले में

- मुख्यमंत्री कार्यालय तक पहुंची शिकायत, आरोपों की जांच में फिर वही अधिकारी

सवाददाता
दोहरीघाट। नगर पंचायत में विकास कार्यों की गुणवत्ता और कृति त तकनीकी अनियमितताओं को लेकर कस्बा निवासी संदीप गुप्ता ने मुख्यमंत्री से शिकायत की है। उन्होंने करीब दो करोड़ रुपये की लागत से बने मुक्तिधाम घाट की धंसी सीढ़ियों समेत अन्य निर्माण कार्यों की उच्चस्तरीय तकनीकी जांच कराने की मांग की है। आरोप है कि पूर्व शिकायतों में मौके की जांच किए बिना भ्रमक आख्या लगाकर मामलों का निस्तारण कर दिया गया।

सदोप गुप्ता के मुताबिक, उन्होंने आईजीआरएस पर शिकायत संख्या 40019226001282 और 40019226002760 दर्ज कराई थी। आरोप है कि दोनों मामलों में स्थलीय जांच के बजाय नगर पंचायत की आख्या के आधार पर कार्रवाई पूरी कर दी गई। असतोष फौडबैक के बावजूद शिकायतों को स्पेशल क्लोज किए जाने का भी उन्होंने आरोप लगाया।

शिकायतकर्ता ने मुक्तिधाम घाट के अलावा मुक्तिधाम गेट से राम-जानकी घाट तक ग्रीन कार्रिडोर और नगर पंचायत कार्यालय भवन के निर्माण की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने जुलाई 2023 से अब तक कराए गए और निर्माणधीन कार्यों की पीडब्ल्यूडी व सिंचाई विभाग के वरिष्ठ अभियंताओं की संयुक्त टीम से जांच कराने की मांग की है।

मामले में मुख्यमंत्री कार्यालय के उप सचिव ने आईजीआरएस संदर्भ संख्या 12192260176274 के जरिए जिलाधिकारी मऊ से नियमानुसार कार्रवाई की अपेक्षा की। इसके बाद प्रकरण नगर पंचायत के 6ओ को ही जांच कर आख्या देने के लिए भेजा गया। शिकायतकर्ता ने इसी व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब आरोप नगर पंचायत के अधिकारियों पर हैं तो जांच की जिम्मेदारी ही उसी कार्यालय को दिए जाने से निष्पक्ष जांच को लेकर सवाल खड़े होते हैं।



संवाददाता
मधुबन। सेवा संकल्प अभियान के तहत सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की ओर से नामित नुकड़ नाटक टीम ने बुधवार को दुबारी मोड़ पर ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। कलाकारों ने अभिनय और संवाद के जरिए योजनाओं की

नाबालिग बच्चों के अपहरण व दुष्कर्म के मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार, वीडियो वायरल करने का भी आरोप



गिरफ्तारी के बाद उसका चालान न्यायालय किया गया। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में निरीक्षक अपराध हरेन्द्र सिंह, कांस्टेबल अशोक यादव और कांस्टेबल

हत्या आरोपी इनामी नीरज टाइगर पुलिस मुठभेड़ में घायल, तमंचा-कारतूस बरामद



मंडा। हत्या के मामले में वांछित 25 हजार रुपये के इनामी आरोपी नीरज कुमार उर्फ टाइगर को गुरुवार को चिरैयाकोट पुलिस और स्वाट टीम ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। असलपुर पुलिस के पास घेराबंदी के दौरान आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसके बाएं पैर में घुटने के नीचे गोली लगी। घायल आरोपी को उपचार के लिए सीएचसी रानीपुर भेजा गया। पुलिस अधीक्षक कमलेश बहादुर ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर स्थानीय चिरैयाकोट पुलिस और स्वाट

टीम ने असलपुर पुलिस का पास
चेराबंदी की थी। पुलिस टीम ने
आरोपी को पकड़ने का प्रयास
किया तो उसने जान से मारने की
नीयत से फायरिंग कर दी। पुलिस
ने आत्मरक्षात्मक जवाबी फायरिंग की,
जिसमें नीरज घायल हो गया।
उसके कब्जे से 315 बोर का
अवैध तमंचा, एक जिंदा और एक
खोखला कारतूस तथा बिना नंबर
लेटे की मोटरसाइकिल बरामद
हुई।

पुलिस के मुताबिक, 14 सितंबर को अनीश कुमार (22) की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। आरोप है कि बारात में हुए विवाद को लेकर आरोपियों ने सरसेना पेट्रोल पंप से काझा की ओर जाने वाले

रास्ते में घात लगाकर अनीश को
निशाना बनाया था। इस मामले में
थाना चिरेयाकोट में मुकदमा संख्या
107/2026 दर्ज है। इसमें
बीएनएस की धारा 3(5)
103(1), आर्म्स एक्ट तथा
एससी-एसटी एक्ट की धारा
3(2)(बी) लगाई गई है।गिरफ्तार
आरोपी नीरज कुमार उर्फ टाइटन
(27) गाजीपुर के दुल्लहपुर थाना
क्षेत्र के सराय धनेश गांव का
निवासी है। पुलिस के अनुसार
उसके खिलाफ गाजीपुर और
आजमगढ़ के विभिन्न थानों में
हत्या, लूट, डकैती, हत्या के प्रयास
और आर्म्स एक्ट समेत नौ मुकदमें
दर्ज हैं। मामले में अग्रिम विधिवत
कार्रवाई की जा रही है।

बधिरों से संवाद में अब भाषा नहीं बनेगी बाधा, पुलिसकर्मियों को मिला सांकेतिक भाषा का प्रशिक्षण



संबंधी दिक्कतों को दूर करना रहा। प्रशिक्षकों ने पुलिसकर्मियों को बताया कि समझने और आवश्यक कार्रवाई करने में आसानी होगी। कार्यशाला में विभिन्न

संवाददाता

अंतराष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस एवं बंधीर व्यक्तियों के अंतराष्ट्रीय सप्ताह अवसर पर पुलिस लाइन सभागार में बुधवार को जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित की गई। पुलिस अधीक्षक कमलेश बहादुर के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार ने पुलिसकर्मियों को बंधीर व्यक्तियों से संवाद स्थापित करने के लिए सांकेतिक भाषा का प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम में मूक बंधीर संघ और अमर वाणी मूक बंधीर स्कूल के सदस्यों ने महिला हेल्प डेस्क, साइबर हेल्प डेस्क, साइबर थाना, साइबर सेल और पुलिस लाइन के कर्मचारियों को सांकेतिक भाषा के जरूरी संकेतों का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण का उद्देश्य बंधीर एवं मूक व्यक्तियों की शिकायतों और समस्याओं को समझने तथा पुलिस सह्यता उपलब्ध कराने में आने वाली सहायता प्रदान करना है। कार्यक्रम के समापन पर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सांकेतिक भाषा को समझने जानकारा होने से ऐसे लोगों से उनकी समस्याओं को समझने में आसानी होगी। कार्यक्रम में महिला हेल्प डेस्क प्रभारी एवं कर्मचारी भी शामिल हुए।

